लखनऊ ने गुजरात टाइटंस को छह विकेट से हराया

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने एडेन मार्करम और निकोलस पूरन के अर्धशतकों की मदद से गुजरात टाइटंस को छह विकेट से हराया। लखनऊ ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। गुजरात ने साई सुदर्शन और शुभमन गिल के अर्धशतकों से 20 ओवर में छह विकेट पर 180 रन बनाए थे। जवाब में लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 186 रन बनाकर मैच जीता। लखनऊ के लिए पूरन ने 34 गेंदों पर एक चौका और सात छक्कों की मदद से 61 रन और मार्करम ने 31 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने डेविड मिलर को बोल्ड कर गुजरात को चौथी सफलता दिलाई। मिलर 11 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ को हालांकि जीत के लिए आठ गेंदों पर सात रन की जरूरत है। राशिद खान ने निकोलस पूरन को आउट कर लखनऊ को तीसरा झटका दिया। पूरन 34 गेंदों पर एक चौका और सात छक्के की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ को अब जीत के लिए 28 गेंदों पर 26 रनों की जरूरत है। लखनऊ के लिए निकोलस पूरन ने अर्धशतक लगा दिया है। उन्होंने गुजरात के खिलाफ 23 गेंदों पर पचासा पूरा किया। पूरन इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं जिससे लखनऊ का स्कोर 13 ओवर बाद दो विकेट पर 140 रन हो गया है। लखनऊ को अब 42 गेंदों पर 41 रन की जरूरत है। प्रसिद्ध कृष्णा ने एडेन मार्करम को आउट कर लखनऊ को दूसरी सफलता दिलाई है। मार्करम शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और अर्धशतक जड़ चुके थे,

लेकिन बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। मार्करम 31 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ ने अब आयुष बडोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा है जो दिग्वेश राठी की जगह आए हैं। लखनऊ के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने गुजरात के खिलाफ अर्धशतक जड़ दिया है। मार्करम ने 26 गेंदों पर पचासा पूरा किया। मार्करम के अलावा निकोलस पूरन भी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं जिसकी मदद से लखनऊ का स्कोर 10 ओवर की समाप्ति के बाद एक विकेट पर 114 रन हो गया है। लखनऊ को अब 60 गेंदों पर 67 रनों की जरूरत है। गुजरात के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्करम और पूरन के बीच अच्छी साझेदारी पनप रही है। लखनऊ ने नौ ओवर की समाप्ति के बाद एक विकेट पर 90 रन बना लिए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने कप्तान ऋषभ पंत को आउट कर लखनऊ को पहला झटका दिया है। पंत और मार्करम के बीच अच्छी साझेदारी चल रही थी और दोनों ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े थे। पावरप्ले खत्म होने के बाद गुजरात पहली सफलता हासिल करने में सफल रहा। पंत 18 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्करम और पंत ने लखनऊ को अच्छी शुरुआत दिलाई है। लखनऊ ने पावरप्ले की समाप्ति के बाद बिना किसी नुकसान के 61 रन बना लिए हैं। उसे अभी जीत के लिए 84 गेंदों पर और 120 रन बनाने हैं। गुजरात के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ ने सधी शुरुआत की है। मार्करम और पंत ने अच्छी शुरुआत दिलाई है जिससे लखनऊ का स्कोर तीन ओवर की समाप्ति के बाद बिना किसी नुकसान के 28 रन हो गया है।

शुभमन गिल ने रचा इतिहास

आईपीएल में ये कमाल करने वाले बने पहले प्लेयर

लखनऊ। शुभमन गिल ने शनिवार को आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 38 गेंदों में 60 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और एक सिक्स भी निकला। उन्होंने 31 गेंदों में पचास रन पूरे कर लिए थे। ये स्टार बल्लेबाज गिल के आईपीएल करियर का 22वां फिफ्टी है। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने शनिवार को आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 38 गेंदों में 60 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और एक सिक्स भी निकला। उन्होंने 31 गेंदों में पचास रन पूरे कर लिए थे। ये स्टार बल्लेबाज गिल के आईपीएल करियर का 22वां अर्धशतक है। उन्होंने डबल धमाल मचाया है। दरअसल, 25 वर्षीय गिल आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए दो हजार रन बनाने वाले पहले प्लेयर बन गए हैं। उनके बाद जीटी के लिए सबसे ज्यादा रन साई सुदर्शन ने बनाए हैं। वहीं, गिल ने पूर्व दिग्गज क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड का एक रिकॉर्ड तोड़ डाला। गिल आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 21वें पायदान पर पहुंच गए हैं। वह अब तक 109

आईपीएल मैचों में 3424 रन जोड़ चुके हैं। वहीं गिल ने पोलार्ड को 22वें स्थान पर खिसका दिया है, जिन्होंने आईपीएल में 189 मैच खेलने के बाद 3412 रन बटोरे। पोलार्ड अब मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा कोहली 258 मुकाबलों में 8190 रन बना चुके हैं। एलएसजी और जीटी मैच की बात करें तो गिल ने सुदर्शन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिकर धवन (6769) और रोहित शर्मा (6666) तीसरे स्थान पर हैं। एलएसजी वर्सेस जीटी मैच की बात करें तो गिल ने सुदर्शन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। जीटी के टॉस गंवाने के बाद गिल और सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 120 रनों की पार्टनरशिप की। गिल 13वें ओवर में तेज गेंदबाज आवेश खान का शिकार बने। उन्होंने एडेन मार्करम को कैच धमाया। सुदर्शन की पारी का 14वें ओवर में हुआ। स्पिनर रवि बिश्नोई ने सुदर्शन को निकोलस पूरन के हाथों कैच कराया। उन्होंने 27 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के के दम पर 56 रन जुटाए। जोस बटलर ने 16 और वॉशिंगटन सुंदर ने 2 रन बनाए।

गहन चिंतन की जरूरत, गलती सुधारनी होगी : धोनी

चेन्नई । केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, ''मैं यहां खेल चुका हूं, मोईन खेल चुके हैं और डीजे (ब्रावो) को भी यहां की परिस्थितियों के बारे में पता था। हम रणनीति के साथ उतरे थे। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एकतरफा मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मिली हार के बाद कहा कि टीम को गहन चिंतन की जरूरत है और खिलाड़ियों को गलती देखकर सुधारनी होगी। केकेआर ने सुनील नारायण (13 रन देकर तीन विकेट, 44 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन और शानदार गेंदबाजी से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 59 गेंद रहते आठ विकेट से हरा दिया। नारायण मैन ऑफ द मैच रहे। मैच के बाद धोनी ने कहा, बस आज ही नहीं इस सत्र में कई बार चीजें हमारे पक्ष में नहीं गई हैं। हमें

देखना होगा कि हम कहां गलती कर रहे हैं और उन्हें सुधारना होगा। हमें गहन चिंतन की ज़रूरत है। उन्होंने कहा,'स्थिति चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमें उससे निपटना चाहिए था। स्कोरबोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। गेंद रुक कर आ रही थी और वैसे स्पिन आक्रमण के सामने यह मुश्किल होता है। आप विकेट गंवा देते हैं तो मैच में वापस आना मुश्किल होता है। धोनी ने कहा, हमारे पास बेहतरीन सलामी बल्लेबाज हैं। पर जरूरी है कि स्कोरबोर्ड को देखकर हम अपने ऊपर दबाव नहीं लें। '' सीएसके की यह लगातार पांचवीं हार थी। चेपॉक में अब तक के अपने न्यूनतम स्कोर पर सिमटने के बाद पहली बार उसे अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीसरी हार मिली। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सीएसके के लिए कुछ भी सही नहीं रहा और केकेआर की शानदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 103 रन ही बना सकी। केकेआर ने नारायण की 18 गेंद में दो चौके और पांच छक्के जड़ित 44 रन की पारी से यह लक्ष्य 10.1 ओवर में दो विकेट पर 107 रन बनाकर हासिल कर लिया।

2022 से चार बार 100+ रनों की साझेदारी कर चुके हैं सुदर्शन-गिल

लखनऊ। शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी गुजरात टाइटंस को लगातार बड़ी शुरुआत दिला रही है और ऐसा ही कुछ लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ भी देखने मिला। लखनऊ ने टॉस जीतकर गुजरात को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया, लेकिन गिल और सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी की और पहले विकेट के लिए 120 रन जोड़कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। लखनऊ ने इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है और मिचेल मार्श की जगह हिम्मत सिंह को मौका दिया है। मार्श की बेटी

बीमार हैं जिस कारण वह इस मैच के लिए अनुपलब्ध हैं। गुजरात ने भी कुलवंत खजरोलिया की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया है। पंत ने टॉस के दौरान बताया, मार्श की बेटी बीमार हैं और वह उनका ध्यान रख रहे हैं। गिल और सुदर्शन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाया जिससे गुजरात ने पावरप्ले में 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया। गिल ने इस दौरान 31 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

सोने के बढ़ते भाव से नया चलन हुआ शुरू

शादी ब्याह के लिए पुराने आभूषण बेचकर खरीद रहे नए गहने

मुंबई। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव और टैरिफ चिंताओं में कुछ समय पहले सोने की कीमतों में कमी देखने को मिली थी, लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 3200 डॉलर तक पहुंच गई है जिसका असर भारत में देखने को मिल रहा है। भारतीय बाजार में सोने के दाम में रोज उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। 12 अप्रैल को मुंबई में (दोपहर तक)24 कैरेट सोने की कीमत 96, 600 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई जबकि 22 कैरेट सोना का भाव 87,460 रुपये प्रति दस ग्राम रहा है। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि सोने के भाव शुक्रवार की तुलना में 2000 रुपये तक बढ़ गए हैं। सोने की कीमत अपना नया रिकॉर्ड भाव यानी 1,00,000 रुपये के स्तर पर जाने के लिए केवल 4,500 रुपये की दूर है।

झवेरी बाजार में रिसाइकिल सोने बिक्री खरीदी बढ़ी

बाम्बे बुलियन एसोसिएशन के सदस्य और

ज्वेलर संजय कोठारी ने बताया कि सोने की कीमत उच्च रिकॉर्ड स्तर पर हैं, जिसकी वजह से आभूषण की खरीदारी फिलहाल नहीं हो रही है। शादी ब्याह का मौसम होने की वजह से 80 प्रतिशत ग्राहक रिसायकलिंग गोल्ड यानी पुराने आभूषणों नया करवा रहे हैं, जिसमें उन्हें केवल बनाई ही देनी पड़ रही है नहीं तो पुराने सोने को बेचकर उसकी जगह नए आभूषण ले रहे हैं। सोने के सिक्कों अथवा सोने के बार को बेचकर भी ग्राहक आभूषण में बदल रहे हैं। वे कहते हैं, इतने अधिक भाव में नई खरीदारी 5 प्रतिशत तक देखने को मिल रही है, जिसमें भी उच्च आय वर्ग ही खरीदारी करता दिखाई दे रहा है। चांदी में भी छोटी वस्तुओं की खरीदारी है, जिसमें पायल अथवा उपहार में दी जाने वाली हल्की वस्तुओं की मांग 10 प्रतिशत तक है। बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन कहते हैं, फिलहाल ग्राहकों को सोने की खरीदारी के लिए थोड़ा इंतजार करना चाहिए। यदि वे निवेश करना भी चाहते हैं तो, गोल्ड ईटीएफ में सिस्टमेंटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए करना चाहिए, क्योंकि सोना इतना महंगा हो गया है कि फिलहाल इसकी खरीदारी फिजिकल न करके योजनाबद्ध तरीके से करने की जरूरत है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव और टैरिफ की वजह से कुछ समय पहले सोने की कीमतों में कमी देखने को मिली थी, लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 3200 डॉलर तक पहुंच गई हैं। आनेवाले समय में सोने और चांदी कीमतों में वृद्धि होनी तय है। इस अनिश्चितता भरे माहौल में फिजिकल सोना न लेकर गोल्ड ईटीएफ के जरिए ग्राहक अपना निवेश सोने में बढ़ा सकते हैं, जो सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प में से एक है।

कई बड़े देश अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर शुल्क लगाने पर राजी

लंदन। दुनिया के कई बड़े देश अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के कारण होने वाले उत्सर्जन पर मूल्य लगाने पर सहमत हो गए हैं। शिपिंग यानी समुद्रों में होने वाला बड़े जहाजों का परिवहन विश्व के सबसे बड़े और सर्वाधिक प्रदूषणकारी उद्योगों में एक है। संयुक्त राष्ट्र की शिपिंग वार्ता में शुक्रवार को हुए अहम फैसले के बाद अब पहली बार ऐसा होगा कि सम्पूर्ण वैश्विक क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कार्बन मूल्य निर्धारण तंत्र के अधीन काम करेगा। यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ - अंतर्राष्ट्रीय मैरिटाइम संगठन) की बैठक में शुक्रवार को लिया गया, जिसमें अमेरिका ने हिस्सा नहीं लिया। आईएमओ का यह टैक्स 2028 से लागू होगा और इसका उद्देश्य है कि शिपिंग उद्योग को ज्यादा साफ-सुथरे और हरित ईंधन की ओर ले जाया जाए। समुद्री जहाजों से निकलने वाला प्रदूषण वैश्विक स्तर पर तीन फीसदी कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। जैसे-जैसे जहाज बड़े होते गए और ज्यादा माल ले जाने लगे, वैसे-वैसे उनका ईंधन खर्च और प्रदूषण भी बढ़ा है। इस नए नियम के तहत अगर किसी देश ने आईएमओ के नेट जीरो फंड में योगदान नहीं दिया है या उसके जहाज पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं, तो उसे प्रति टन कार्बन डाइऑक्साइड के लिए 100 अमेरिकी डॉलर का टैक्स देना होगा। आईएमओ दुनिया की शिपिंग गतिविधियों को नियंत्रित करने वाला संगठन है। इसका लक्ष्य है कि 2050 तक शिपिंग उद्योग को नेट-जीरो उत्सर्जन तक पहुंचाया जाए। इसका मतलब है कि जहाजों से जितनी ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं, उन्हें किसी न किसी तरह से पूरी तरह से संतुलित किया जाए।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 14.4 फीसदी घटकर 11 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। टैरिफ वार के बीच शेयर बाजारों में उथल-पुथल के कारण इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मासिक आधार पर 14.4 फीसदी घटकर मार्च, 2025 में 11 महीने के निचले स्तर 25,082.01 करोड़ रुपये पर आ गया। इससे पहले मार्च, 2024 में सबसे कम 22,633 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। गिरावट के बावजूद मार्च लगातार 49वां महीना है, जब इस श्रेणी में निवेश जारी है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, यह लगातार तीसरा महीना है, जब इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश में गिरावट आई है। दिसंबर, 2024 में निवेशकों ने इस श्रेणी में 41,156 करोड़ का निवेश किया था, जो जनवरी में घटकर 39,687 करोड़ और फरवरी में 29,303 करोड़ रुपये रह गया। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश मामूली घटकर मार्च, 2025 में 25,926 करोड़ रह गया। यह नवंबर, 2024 के बाद चार महीने का निचला स्तर है। उस समय एसआईपी में 25,320 करोड़ निवेश आया था। फरवरी, 2025 में यह आंकड़ा 25,999 करोड़ रुपये रहा था। मार्च में एसआईपी खातों की कुल संख्या फरवरी के 8.26 करोड़ से घटकर 8.11 करोड़ रह गई। इसका मतलब है कि बीते महीने करीब 15 लाख एसआईपी खाते बंद हुए। इस दौरान 40.18 लाख से अधिक नए एसआईपी खाते पंजीकृत भी हुए हैं। इक्विटी श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड में सर्वाधिक 5,615 करोड़ का निवेश आया।

टैरिफ युद्ध के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल

उतार-चढ़ाव से ऐतिहासिक रहा वॉल स्ट्रीट का यह सप्ताह

वॉशिंगटन। टैरिफ युद्ध की आशंकाओं के बीच शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल आया। हालांकि अमेरिकी डॉलर के गिरते मूल्य और वित्तीय बाजार के उतार-चढ़ाव ने संकेत दिया है कि अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ वार से बाजार में डर का माहौल है। एसएंडपी 500 में 1.8 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। वहीं डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 340 अंकों की गिरावट से शुरू होकर 810 अंकों की बढ़त तक पहुंचा और फिर 619 अंकों या 1.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक कंपोजिट में 2.1 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। कुल मिलाकर शुक्रवार को एसएंडपी 500, 95.31 अंक बढ़कर 5,363.36 पर पहुंच गया। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 619.05 चढ़कर 40,212.71 पर पहुंच गया, और नैस्डैक कंपोजिट 337.14 चढ़कर 16,724.46 पर पहुंच गया। माना जा रहा है कि शेयरों में उछाल की वजह अमेरिकी बॉन्ड बाजार से थोड़ा दबाव कम होना है। 10 साल के ट्रेजरी पर प्रतिफल सुबह 4.58 प्रतिशत से ऊपर चला गया, जो एक सप्ताह पहले 4.01 प्रतिशत था। हालांकि दोपहर तक यह 4.48 प्रतिशत पर वापस आ गया। इस तरह के उछाल से अमेरिका में घरों और व्यवसायों को दिए जाने वाले मॉर्गेज और अन्य कर्जों की दरें बढ़ सकती हैं। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होगी। बाजार के विशेषज्ञ आशंका जता रहे हैं कि अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वार के चलते अमेरिका के बाहर के निवेशक अपने यूएस बॉन्ड बेच सकते हैं। हेज फंड और अन्य नुकसान को कवर करने के लिए वे ऐसा कर सकते हैं। इससे दुनिया के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले बाजार अमेरिकी बाजार की प्रतिष्ठा पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। शुक्रवार को यूरो से लेकर जापानी येन और कनाडाई डॉलर के मुकबाले यूएस डॉलर की कीमतें गिर गई।